This question paper contains 1 printed pages.

Your Roll No. .....

आपका अनुक्रमांक .....

Sl. No of Question Paper: 762 **D**

Unique Paper Code: 210651

Name of the Paper: Philosophical Debates

Name of the Course: B. A. (Prog.) Philosophy Discipline Course

Semester: VI

Duration : **3 Hours**

Maximum Marks : **75**

Instruction for Candidates

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

इस प्रश्न पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

Answer may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

इस प्रश्न पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any **five** questions. **All** question carry equal marks.

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Give the Cārvāka's arguments rejecting the concept of consciousness. How does Sāṁkara react to it?
चार्वाक की चेतना की अवधारणा को नकारते हुए तर्कों को लिखे। शंकर की इस पर क्या प्रतिक्रिया है?

2. What is the concept of Kṣaṇikavāda? How does Nyāya refute it?
क्षणिकवाद की अवधारणा क्या है? न्याय इसे किस प्रकार नकारते हैं?

3. Critically examine Jaina concept of Anekāntavāda.
जैन दर्शन के अनेकान्तवाद की अवधारणा की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।

4. State how does Mimaṁsā criticizes the Nyāya's proofs for the existence of Gods?
मिमांसा किस प्रकार न्याय के ईश्वर के अस्तित्व में दिये गये तर्कों का खंडन करते हैं? लिखें।

5. Examine Sāṁkara's critique of Sāṁkhya's dualism.
शंकर द्वारा सांख्य के द्वैतवाद के खंडन का परीक्षण कीजिये।

6. Discuss critically Sāṁkara's concept of Brahman.
शंकर द्वारा प्रतिपादित ब्रहम की अवधारणा की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।